

बाल वि. (तत्.) 1. अवयस्क जो अभी वयस्क न हुआ हो 2. जिसमें व्यवहार-संबंधी पर्याप्त समझ न हो 3. अज्ञानी 4. बालक जैसा 5. छोटा, अल्पायु के कारण नासमझ **पुं.** (तत्.) अवयस्क, नाबालिग 2. बालक, बच्चा 3. मूर्ख 4. त्वचा के कोमल तंतु, रोम, लोम 5. केश **पुं.** (तद्.) 1. किसी वस्तु का बहुत थोड़ा अंश **स्त्री.** गेहूँ, बाजरा आदि कुछ अनाजों के पौधों का वह अग्र भाग जिसमें अनाज के दाने होते हैं **स्त्री.** (तद्.) (सं. वालु) 'वालु' एक प्राचीन तोल थी जो तीन रत्ती के बराबर होती थी, इसके कारण 'बाल' का यह अर्थ विकसित हुआ, जैसे- बाल बराबर भी अंतर नहीं होना चाहिए **पुं.** (अं.) 1. कंदुक, गेंद ball 2. एक प्रकार का यूरोपीय नृत्य। ball dance

बालक पुं. (तत्.) 1. अवयस्क, नाबालिग 2. बच्चा, शिशु 3. पुत्र, बेटा, लड़का 4. अज्ञानी व्यक्ति, अनजान आदमी 5. हाथी या घोड़े का बच्चा।

बालकपन पुं. (तत्.) 1. बालक होने का भाव 2. लडकपन, नासमझी।

बाल-कल्याण पुं. (तत्.) 1. बालकों का हित, बालक बालिकाओं की भलाई 2. बालकों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक कल्याण के लिए किया जाने वाला कार्य।

बालकांड पुं. (तत्.) रामायण ग्रंथ का प्रथम कांड जिसमें राम के बाल्यकाल का वर्णन है।

बालकृष्ण पुं. (तत्.) 1. बालक के रूप में कृष्ण, बाल्यावस्था के कृष्ण।

बालक्रीडा स्त्री. (तत्.) 1. बच्चों की क्रीडा, बच्चों का खेल 2. बच्चों के खेल के समान सरल कार्य 3. बालक के विविध कार्य जिनसे माता-पिता का मनोरंजन होता है।

बालक्षय पुं. (तत्.) आयु. शिशुओं को होने वाला एक भयंकर रोग 'सूखा' जिससे बालक अत्यंत क्षीण (दुर्बल) हो जाते हैं।

बालगोविंद पुं. (तत्.) बालकृष्ण।

बालग्रह पुं. (तत्.) (आयु.) बच्चों को होने वाले स्कंदग्रह आदि 2. कष्टप्रद रोगों का समूह (वर्ग)।

बालचंद्र पुं. (तत्.) शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि का नवोदित चंद्रमा, दूज का चाँद।

बालटी स्त्री. (तद्.) एक प्रकार का गहरा पात्र, जिसमें पानी आदि रखा जाता है।

बालतृण पुं. (तत्.) नयी उगी घास, जो कोमल होती है।

बालतोड़ पुं. (तद्.) बाल के टूटने से शरीर पर उभरा फोड़ा या घाव, बालतौड़।

बालना स.क्रि. (तद्.) प्रज्वलित करना, जलाना (चूल्हा या अंगीठी बालना, दीया बालना आदि प्रयोग में)।

बाल-न्यायालय पुं. (तत्.) अवयस्क बालकों के अपराधों के संबंध में विचार व निर्णय देने वाला विशेष न्यायालय।

बालपन पुं. (तद्.) बाल्य अवस्था, बचपन, शिशुत्व, शैशव।

बाल पतंग पुं. (तत्.) उदयकालिक सूर्य, बाल्यावस्था का सूर्य, सूर्य जो प्रातः उगा ही हो (मानस में 'राम' के लिए प्रयुक्त शब्द 'उदित उदयगिरि' मंच पर रघुवर बाल पतंग)।

बाल बच्चे पुं. (तद्.) संतति, संतान, औलाद।

बालबुद्धि स्त्री. (तत्.) बच्चों की सी बुद्धि, छोटी मति, अल्पमति **वि.** कम बुद्धि वाला।

बालबेरिंग पुं. (अं.) (एक प्रकार का पुर्जा) धातु से बने छोटे-छोटे लोहे के बाल रखकर साइकिल, पंखे आदि में संयोजित किया जाने वाला पुर्जा, इस पुर्जे में ग्रीस लगाकर संयोजित करने से इन उपकरणों की गति बढ़ जाती है।

बालब्रह्मचारी पुं. (तत्.) बचपन से ही ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करने वाला व्यक्ति।

बालभोग पुं. (तत्.) देवताओं को प्रातः समर्पित किया जाने वाला नैवेद्य या प्रसाद, श्री बाल कृष्णको प्रातः भोग में दिया जाने वाला नैवेद्य।